Chapter- 2

दु:ख का अधिकार

WORKSHEET

अति लघुत्तरीय प्रश्न -

(1 X 5 = 5)

१. पोशाकें मनुष्य को कैसे बाँटती है?
२. पोशाक कब अड़चन बन जाती है ?
३. पाठ का नाम दु :ख का अधिकार क्यों है?
४. लेखक ने समाज की किस कुप्रथा पर व्यंग्य किया है?
५. भगवाना की माँ के सामने कौन - सी समस्या आ खड़ी हुई ?

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर -

(2 X 5 = 10)

प्रश्न 1. खरबूजे बेचने वाली महिला पर लोग टिप्पणी क्यों कर रहे थे?
प्रश्न 2. बूढ़ी महिला द्वारा खरबूजे बेचे जाने को लोग घृणित कार्य क्यों समझ रहे थे?
प्रश्न 3. बुढ़िया को खरबूजे बेचते देख लोग किन-किन विशेषणों का प्रयोग कर रहे थे? उनका ऐसा कहना कितना उचित था?
प्रश्न 4. खरबूजे बेचने आई महिला फफक-फफककर क्यों रोए जा रही थी?
प्रश्न 5. बुढ़िया की उस विवशता का उल्लेख कीजिए जिसके कारण उसे सूतक में भी खरबूजे बेचने आना पड़ा?

निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए- **(1 X 5 = 5)**

प्रश्न 1. 'दुख का अधिकार' पाठ का उद्देश्य मानवीय संवेदना जगाना है।' पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए।

अथवा

शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और … दुखी होने का भी एक अधिकार होता है।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow